लोक सभा

अतारांकित प्रश्न सं. 1767

10 फरवरी, 2026 को उत्तर दिए जाने के लिए

आईटीएडीसी, मालेगांव में जनशक्ति की कमी

1767. श्री असादुद्दीन ओवैसी:

क्या वस्त्र मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) महाराष्ट्र के नासिक जिले के मालेगांव स्थित आईटीएडीसी में दशकों से चली आ रही कर्मियों एवं मशीनों की कमी को दूर करने के लिए सरकार द्वारा क्या कदम उठाए गए हैं;

(ख) पर्याप्त स्थान होने के बावजूद विशेषकर महिला कर्मचारियों के लिए अल्पकालिक अथवा कौशल विकास पाठ्यक्रम आरंभ न किये जाने के क्या कारण हैं; और

(ग) क्या सूक्ष्म स्तर के बुनकरों को निःशुल्क परीक्षण सुविधा तथा बेरोजगारी का सामना कर रहे बीपीएल श्रमिकों को वजीफे सहित निःशुल्क प्रशिक्षण प्रदान करने हेतु सरकार द्वारा क्या कदम उठाए हैं?

उत्तर

वस्त्र राज्य मंत्री

(श्री पबित्र मार्घेरिटा)

(क) से (ग): वस्त्र मंत्रालय ने मालेगांव में पीएससी सहित पूर्ववर्ती पावरलूम सेवा केंद्रों को वस्त्र डिजाइन और अपैरल विकास केंद्र (आईटीएडीसी) संस्थानों में बदल दिया है, जिसमें संशोधित ड्यूटी चार्ट और सुविधाओं तथा जनशक्ति का नियोजित उन्नयन शामिल है। इनमें परीक्षण अवसंरचना को मजबूत करना, आधुनिक करघों और प्रारंभिक मशीनों की स्थापना, परीक्षण उपकरण, गारमेंट और अपैरल विकास के लिए सिलाई और कढ़ाई मशीनें और डिजाइन विकास सुविधाएं सहित क्लस्टर-विशिष्ट सुविधाएं शामिल हैं।

वर्तमान में, क्लस्टर की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए आईटीएडीसी मालेगांव में साधारण पावरलूम रैपियर हाई-स्पीड लूम और परीक्षण उपकरण उपलब्ध हैं। मामूली दरों पर यार्न/फैब्रिक परीक्षण सेवाओं का भी प्रावधान है। आईटीएडीसी मालेगांव में अल्पकालिक कौशल विकास पाठ्यक्रम भी संचालित किए जा रहे हैं और पिछले तीन वर्षों के दौरान, 107 बुनकरों को प्रशिक्षण दिया गया है। इसके अलावा, मालेगांव और नागपुर में आईटीएडीसी के लिए पिछले तीन वर्षों में 1.54 करोड़ रुपये की राशि जारी की गई है।

***